प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम उत्साहित, आईआईएम, आरयू और संत जेवियर्स कॉलेज के स्टूडेंट्स भी जड़े

पेड़ों के अर्क ने गणपति टैंक में भरा ऑक्सीजन अब करमटोली तालाब में फूंकेगा जान, टीम बनी

पुष्पगीत | रांची

ऑक्सीजन पार्क, मोरहाबादी के गणपति तालाब का गंदा पानी अब साफ हो गया है। यहां जलीय जीव-जंतु और पौधे सांस लेने लगे हैं। यह बदलाव हाल में तालाब में डाले गए वाटर ट्रीटमेंट बॉयोलॉजिकल सोल्यूशंस की वजह से हुआ है। इस सफलता के बाद तालाबों की सफाई के लिए काम कर रहे समाज के जागरूक लोगों में उत्साह है।

अब वे करमटोली तालाब के पानी की सफाई करने की तैयारी में जुट गए हैं। इसके लिए एक टीम भी बनाई गई है। इसमें आईआईएम, रांची विश्वविद्यालय और संत जेवियर्स कॉलेज के स्टूडेंट्स भी शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रहे अंग्रेजी अखबार के पत्रकार मनोज प्रसाद ने बताया कि गणपति तालाब में हमारी टीम का प्रयोग उत्साहजनक रहा। इससे हमारा मनोबल बढ़ा है और हम जल्द ही करमटोली तालाब को टेकअप करेंगे। मालूम हो कि पिछले 12 फरवरी को तत्वज्ञान ह्यूमेनिटी फाउंडेशन के प्रमुख मधुकर स्वयंभू ने गणपति तालाब में सोल्यूशंस डाला था। यह संस्था देश के कई नालों, वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों आदि की सफाई का काम कर चुकी है।

बॉयोलॉजिकल सोल्यूशंस फूड की बूंदें डालीं तालाब में

पेड़ों से तैयार अर्क (बॉयोलॉजिकल सोल्यूशंस फूड) की दो बूंदें प्रति लीटर पानी के हिसाब से डाला गया। इस घोल में लोहा, मैंग्नीज, जिंक, कॉपर, सल्फर, मैग्निशियम,बोरोन, पोटाशियम, फॉस्फोरस, कार्बन होते हैं। घोल पोषक तत्व बनाता है। इससे पानी साफ होने लगता है। ऑक्सीजन मात्रा बढ़ जाती है।